

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 10 सितम्बर, 2007

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में जिला योजना के न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (सामान्य) के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम कार्यालय पत्र संख्या 2640/धनार्पण प्रस्ताव/दिनांक 18.08.2007 के संदर्भ में मुझे यह कक्ष ने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (सामान्य) के अंतर्गत जिला योजना की सामान्य श्रेणी की ग्रामीण पेयजल योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में जनपदवार निम्नलिखित विवरणानुसार कुल रु0 4724.25 लाख (रु0 चारतालीस करोड़ बीस लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि के व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि (लाख रु0 में)

क्र.सं.	जनपद का नाम	अनुमोदित परिव्यय	अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	4	5
1	उत्तरकाशी	454.63	454.63
2	धर्मोली	174.27	174.27
3	रूढ़प्रयाग	326.00	326.00
4	टिहरी	729.00	729.00
5	देहरादून	266.87	266.87
6	गौरी	970.00	970.00
7	हरिद्वार	118.03	118.03
8	मिर्जापुर	322.00	322.00
9	दम्भापुरा	279.45	279.45
10	अल्मोड़ा	340.00	340.00
11	धर्मोली	246.00	246.00
12	नेनीताल	367.50	367.50
13	धर्मोली नगर	130.50	130.50
	योग:-	4724.25	4724.25

2- उपरोक्त स्वीकृत घनराशि का आहरण उत्तराखल पेयजल निगम के संबंधित जनपद के अधिशासी अभियन्ता/नौडल अधिकारी के हस्ताक्षरयुक्त तथा संबंधित जनपद के जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित विल संबंधित जनपद के कोषागार में प्रस्तुत करके वार्षिक आदर्शकतानुसार निस्सी में पूर्ण स्वीकृत घनराशि का पूर्ण उपयोग अथवा 80 प्रतिशत घनराशि के उपयोग के उपरान्त ही किया जायेगा। जिन जनपदों में भूरे में स्वीकृत समस्त घनराशि का उपयोग हो चुका है, वे आवंटित घनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर सकते हैं।

3- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।

4- स्वीकृत घनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उ० प्र० शासन के विल लेखा अनुभाग-2 के शारणादेश सं०-ए-2-87(1)/दरा-97-17(4)/75 दिनांक 27-2-97 के अनुसार सैन्टेज व्यव किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष 2-97 के अनुसार सैन्टेज व्यव किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई घनराशि में सैन्टेज चार्जेज के रूप में व्यय की गई घनराशि को समायोजित करते हुए कुल सैन्टेज चार्जेज 1250 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। इराफा कृषक कन्सल्टे से फालन सुनिश्चित कर आमणनों में सैन्टेज की व्यवस्था रक्तानुसार ही की जाय।

5- स्वीकृत घनराशि का व्यय प्रथमतया चालू योजनाओं पर किया जायेगा तथा चालू योजनाएँ शेष न होने पर ही नये कार्यों पर योजनावार विवरण उपलब्ध कराने पर शासन की अनुमति के उपरान्त ही घनराशि व्यय की जायेगी।

6- उक्त स्वीकृत घनराशि से जिला योजना में अनुमोदित ग्रामीण पेयजल योजनाओं का किम्वन्तवन उत्तराखल पेयजल निगम द्वारा किया जायेगा।

7- जनपदवार स्वीकृत घनराशि के योजनावार आवंटन की रूचना 2 सप्ताह के अन्दर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय, जिसमें लाभान्वित होने वाली एन०सी० तथा पी० सी० बस्तियों का विवरण अवश्य स्पष्ट रूप से अंकित किया जाय।

8- स्वीकृत घनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके संबंध में तकनीकी स्वीकृति प्राप्त नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है।

9- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में दंडा नैनुअल और फाईनेशियल हैण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सहाय प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आमणनों/पुनरीक्षित आमणनों पर राक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

10- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगा।

11- स्वीकृत घनराशि से वही कार्य किया जायेगा जो जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित हो और जनपदवार आवंटित प्लान परिचय के अंतर्गत हो।

12- स्वीकृत की जा रही घनराशि का दिनांक 31.12.2007 तक पूर्ण उपयोग करके इसकी वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं सम्योगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।

- 13- उक्त तथ्य चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान राख्य - 13 के लेखाधीन-2215-जलापूर्ति तथा सफाई 01-जलापूर्ति-आयोजनागत- 102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम-91-जिलायोजना-01-ग्रामीण पेयजल तथा जलसंचयन योजना-20-सहायक अनुदान/अनुदान संचय सहायता के नाम से खाला जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग की असासकीय सं० 398/XXVII(2)/2007 दिनांक 14 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या-1683/उत्तीरा/07-2 (106पे०)/2007. तदुदिनांक

प्रतिलिपि:-निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कैमाड़।
- 3- निरक्षर कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- प्रमुख निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
- 5- मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
- 6- समस्त अधीक्षण अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, सम्बन्धित जनपद।
- 8- वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग/वज्जत सैल, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- संयुक्त विकास आयुक्त गढ़वाल/कुमाँऊ।
- 10- आयुक्त ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड।
- 11- सहायक ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 12- सम्बन्धित अधीक्षारी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड पेयजल निगम सम्बन्धित जनपद।
- 13- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 14- निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री जी को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
- 15- निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर देहरादून।
- 16- माई फाइल

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)
उप सचिव